SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI: Sir, I associate myself with the submission made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA: Sir, I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

Deteriorating condition of workers at NTPC in Auraiya district of Uttar Pradesh

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपका ध्यान उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में स्थित एनटीपीसी व गेल इंडिया लिमिटेड प्लांट में प्लांट प्रशासन द्वारा स्थानीय लोगों के प्रति की जा रही उपेक्षा की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ।

महोदय, एनटीपीसी व गेल की स्थापना के समय प्रशासन द्वारा जिन किसानों की जमीन पर प्लांट का निर्माण किया गया, उनको स्थायी नौकरी एवं क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्लांट परिसर में खुलने वाले विद्यालय में शिक्षा के अवसर प्रदान कराने का वादा किया गया था और साथ में दिबियापुर व आस-पास के क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता कराने का वादा किया गया था, लेकिन उन्होंने वादा पूरा नहीं किया। प्लांट की स्थापना हुए 30 वर्ष से अधिक हो गये हैं, परन्तु अभी तक अधिकांश लोगों को स्थायी नौकरी नहीं मिली है। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करती हूँ कि ऐसे श्रमिकों को स्थायी नौकरी दी जाये। इसके अतिरिक्त बहुत से किसानों को, जिनकी भूमि का अधिग्रहण किया गया था, उन्हें शेष राशि का भुगतान भी नहीं किया गया है।

महोदय, जिले का एकमात्र केन्द्रीय विद्यालय एनटीपीसी परिसर में स्थित है। पिछले कुछ समय से इस विद्यालय को एनटीपीसी प्रशासन के द्वारा बन्द करने की बात की जा रही है। ऐसी परिस्थिति में मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध करती हूँ कि भू-विस्थापित लोगों को स्थायी रोजगार उपलब्ध कराया जाए, केन्द्रीय विद्यालय की स्थिति को सुधारने की योजना बनायी जाए एवं स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाए, धन्यवाद।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the submission made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

Need to establish ESIC sub-regional office and hospital in Belagavi

श्री इरण्ण कडाडि (कर्नाटक) : सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में अपनी बात कहने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद। कर्णाटक के उत्तर-पश्चिम में बेलगावि में एक औद्योगिक क्षेत्र है, जहाँ वर्तमान में 36 बड़े उद्योग हैं। उनमें मुख्यत: चीनी उत्पादन, foundry,

आयरन, एल्युमिनियम एवं poly-hydrogen से संबंधित उद्योग हैं। कर्णाटक में सबसे अधिक चीनी कारखाने बेलगावि में हैं। बेलगावि में जो SEZ है, उसमें aeronautical एवं अन्य उद्योग शामिल हैं। बेलगावि में बड़ी संख्या में औद्योगिक कारखाने होने के कारण वहाँ पर दो लाख से अधिक कर्मचारी हैं, जो ESIC योजना के अंतर्गत आते हैं, इसलिए वहाँ पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम के एक उपक्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना करने की आवश्यकता है। इसके अलावा मैं सरकार से बेलगावि के उद्यम बाग औद्योगिक क्षेत्र में एक ESIC hospital खोलने का भी अनुरोध करता हूँ, क्योंकि वहाँ पर भारी मात्रा में कर्मचारी रहते हैं और वहाँ पर अस्पताल नहीं होने के कारण आपातकालीन चिकित्सा सहायता संभव नहीं हो पाती है तथा प्रक्रिया में समय लगने के कारण उनको उपचार में असुविधा होती है। मैं सरकार से बेलगावि में ESIC का एक उपक्षेत्रीय कार्यालय और उद्यम बाग औद्योगिक क्षेत्र में एक अस्पताल स्थापित करने का अनुरोध करता हूँ, जिससे वहाँ रह रहे कर्मचारियों को लाभ होगा और कर्णाटक विकसित होगा।

SHRI K.C. RAMAMURTHY (Karnataka): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA: Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI: Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Need to start direct international flights from Kushinagar to Kathmandu, Kuala Lumpur, Japan and Bangkok

श्री शिव प्रताप शुक्ल (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, मुझे ज्ञात हुआ कि कुशीनगर हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का लाइसेंस प्राप्त हुआ है। यह मेरे क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत हर्ष की बात है, परंतु अभी तक वहाँ पर अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए कोई भी उड़ान उपलब्ध नहीं हुई है। मैं काठमांडू, कुआलालम्पुर, जापान और बैंकॉक के लिए सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाओं की शुरुआत के संदर्भ में सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहूँगा। इससे भगवान बुद्ध को मानने वाले लोग आसानी से वहाँ आ-जा सकेंगे, जिससे क्षेत्र का विकास होगा एवं वहाँ के लोगों को रोज़गार भी प्राप्त होगा तथा राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा। कुशीनगर से सउदी अरब और यूएई के लिए भी सीधी उड़ान उपलब्ध कराई जाए, इससे उत्तर प्रदेश में उद्योग, व्यापार और रोज़गार को बढ़ावा मिलेगा। इन संस्थानों पर अंतरराष्ट्रीय उड़ान उपलब्ध होने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।